an>

Title: Need to construct a dam on river Ghagra with a view to check recurring floods in Barabanki district, Uttar Pradesh.

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे सदन में महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया। मैं सदन का ध्यान मेरे लोक सभा क्षेत्र की घाघरा नदीं में प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं और यह बताना चाहता हूं कि इस बाढ़ से बाराबंकी जनपद के मुख्य तीन ब्लॉक सूरतगंज, रामनगर, और शिवालीबसपुर प्रभावित होते हैं और इसके अलावा सीतापुर, फैजाबाद, बहराइच जनपदों के कुछ क्षेत्र बाढ़ से त्रस्त रहते हैं। हालत इतनी खराब है कि पूरे क्षेत्र में एक भी पक्का घर नहीं है। कच्चे मकान और झोंपड़ियां हैं जो हर साल बाढ़ में नष्ट हो जाती हैं। बाढ़ के बाद उन झोंपड़ियों को दुबारा बनाया जाता है। इन क्षेत्र के लड़कों की शादियां नहीं हो रही है क्योंकि इन क्षेत्र के बाहर के लोग अपनी बेटियां इस क्षेत्र में देना पसन्द नहीं करते। बीमार लोगों के लिए अस्पताल नहीं है, शिक्षा के पूरे साधन नहीं हैं। आवागमन के साधन नहीं हैं। जो सड़कें वहां पर बनी हैं, वे तारकोल से बनती हैं लेकिन हर साल बाढ़ की वजह से पानी जब सड़कों के ऊपर से गुजरता है तो वे सड़कें नष्ट हो जाती हैं। मैंने पहले भी मांग रखी थी कि इस बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जो सड़कें बनें, वे सड़कें सीमेंटेड रोड बननी चाहिए। इसलिए इस तरफ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में बाढ़ आ जाने का कारण जरूरी नहीं है कि इन क्षेत्रों में बारिश हो रही है बल्कि नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा अधिक होने के कारण वहां पर बने बांध लबालब हो जाते हैं तथा उनका एकत्रित पानी घाघरा में छोड़ दिया जाता है जिससे बड़े पैमाने पर जान माल की हानि होती है। भारत सरकार ने यू.पी. सरकार से इस क्षेत्र में पुल और बांध बनाने के लिए प्रस्ताव भेजने के लिए कहा है लेकिन एक वर्ष से ज्यादा अवधि होने के बावजूद सर्वेक्षण कराकर प्रस्ताव गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, पटना को नहीं भेजा गया है। इसलिए मेरी मांग है कि जल्दी से जल्दी बांध बनाया जाए।...(व्यवधान) क्षेत्र की समस्याएं हैं। मेहरवानी करके उस पर राजनीति मत करिए। आपने बहुत नम्बर बढ़ा लिए हैं, नम्बर बढ़ जाएंगे।...(व्यवधान) हर बार जब मैं बोलता हूं तो आप खड़े हो जाते हैं। यह बहुत आपत्तिजनक बात है। जब आप बोलते हैं तो हम कभी डिस्टर्ब नहीं करते हैं।

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): सभापति जी, यह सही नहीं कह रहे हैं।...(व्यवधान)

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): सभापति महोदय, यह बहुत आपत्तिजनक बात है। हम कभी भी इन्हें नहीं टोकते हैं। हमें बोलने दीजिए। मेरी बारी है।....(व्यवधान) मेरी मांग है कि शीघ्र बांध बनावाया जाए और सर्वेक्षण में इस बात का ख्याल रखा जाए कि कोई भी गांव नदी के पेटे में न रहे। मजबूत ठोकर बनाकर सभी गांवों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था की जाए। यदि राज्य सरकार इस मामले में ढ़ीलाढ़ाला रवैया करे तो केन्द्र सरकार सीधे अपने स्तर से सर्वेक्षण कराकर आगे की कार्रवाई करे। धन्यवाद।